खबर संक्षेप

डिवाइडर फांदकर बीच सड़क पलटी कार

शहडोल। जिले की सडक़ों पर बेलगाम दौड़ते वाहन अब मौत का पर्याय बनते जा रहे हैं। ताजा मामला बुढार थाना क्षेत्र के बिजली ऑफिस के पास का है, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और सडक़ पर कई बार पलट गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार बुढार से धनपुरी की ओर जा रही थी। गनीमत रही कि कार में केवल चालक सवार था, जिसे स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। मामूली चोटें आने पर उसे अस्पताल भेजा गया है, लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि उस वक्त सडक़ पर अन्य राहगीर या दोपहिया वाहन होते, तो क्या प्रशासन इस संभावित नरसंहार की जिम्मेदारी लेता। पुलिस की प्राथमिक जांच में हादसे की मुख्य वजह अंधाधुंध गति बताई जा रही है। यातायात नियमों की सरेआम उड़ रही धज्जियां यह साबित करती हैं कि प्रशासन का खौफ अब खत्म हो चुका है। पुलिस केवल औपचारिक अपीलों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर रफ्तार के इन सौदागरों पर कोई नकेल नहीं है। अगर अब भी सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो शहडोल की सडक़ें यूं ही निर्दोषों के रक्त से लाल होती रहेंगी।

अब छुट्टी के दिन भी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थी

शहडोल। विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने एवं उनकी विषय गत कठिनाईयों के समाधान के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार स्कूलों में अवकाश दिवस रविवार को निदानात्मक कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल की प्राचार्य श्रीमती साधना जैन ने बताया कि स्कूल में पढने वाली छात्राओं को कठिन विषयों गणित, विज्ञान, अंग्रेजी तथा सामाजिक विज्ञान आदि विषयों में शैक्षणिक कमजोरियों की पहचान कर उन्हें विशेष मार्गदर्शन देने का कार्य स्कूल के शिक्षकों के माध्यम से शुरू किया गया है। जिससे वे विषयों को बेहतर ढंग से समझ सकें और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। निदानात्मक कक्षाओं से विद्यार्थियों में सीखने की रूचि बढ़ी है। उनके शैक्षणिक परिणामों में सुधार देखने को मिला है।

ई.व्ही.एम. व्ही. व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का किया गया निरीक्षण

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशो के अनुपालन में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ई.व्ही.एम. व्ही.व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का मासिक आंतरिक निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग, राजनैतिक दल के प्रतिनिधि विष्णु प्रताप सिंह, अरफाना बेगम, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री संजय खरे सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

धनपुरी के पत्रकारों ने ऋतुपर्ण की मातुश्री को दी श्रद्धांजलि

धनपुरी। नगर पत्रकार परिषद धनपुरी के अध्यक्ष मोहम्मद शमीम खान के नेतृत्व में स्थानीय पत्रकारों की टीम, नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक ऋतुपर्ण दवे के निवास पर पहुंचकर उनकी मातुश्री के निधन पर शोक जताया और दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्ति की। इस अवसर पर अध्यक्ष मोहम्मद शमीम खान के साथ ही डॉक्टर विजय सिंह, बृजवासी अग्रवाल, राजू अग्रवाल, मुरलीधर त्रिपाठी, सफीक खान एवं अन्य सभी सदस्य मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखीं चिकित्सा की बारीकियां

शहडोल। शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाली की छात्राओं ने चिकित्सा क्षेत्र के व्यावहारिक अनुभवों को करीब से जानने के लिए शहडोल स्थित आदित्य हॉस्पिटल का शैक्षणिक भ्रमण किया।

जिलाध्यक्ष की रिकॉर्डिंग ने हिला दी दिल्ली-भोपाल की सत्ता

शहडोल भाजपा में ऑडियो बम का धमाका

अपनों पर वार और आदिवासियों पर अमर्यादित टिप्पणी से सियासी भूचाल

शहडोल।

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच शहडोल की सियासत में एक ऐसा ऑडियो बम फटा है, जिसकी धमक ने भोपाल से लेकर दिल्ली तक के गलियारों में सनसनी फैला दी है। सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो रहे कथित भाजपा जिलाध्यक्ष के इस ऑडियो ने पार्टी के अनुशासित होने के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। इस रिकॉर्डिंग ने न केवल संगठन के भीतर मचे घमासान, गुटबाजी और आपसी नफरत को उजागर किया है, बल्कि आदिवासियों को लेकर की गई कथित शर्मनाक टिप्पणी ने मामले को बेहद संवेदनशील और विस्फोटक बना दिया है।

आदिवासियों के सम्मान पर सीधा प्रहार?

वायरल ऑडियो में सबसे अधिक चौंकाने वाला और आपत्तिजनक हिस्सा वह है, जिसमें कथित तौर पर आदिवासियों को लेकर यह कहा जा रहा है कि उन्हें केवल कोरमा के लिए रखा जाता है। आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने और उन्हें अपना मुख्य वोट बैंक मानने वाली भाजपा के लिए यह बयान किसी सुसाइड नोट से कम नहीं है। इस कथित टिप्पणी के बाद जिले के आदिवासी संगठनों में भारी आक्रोश है। सवाल उठ रहा है कि क्या सत्ता की चकाचौंध में संगठन के शीर्ष पदों पर बैठे लोग आदिवासियों को केवल एक वस्तु समझते हैं? इस एक बयान ने समूचे आदिवासी समाज के आत्मसम्मान को ललकारा है।

विधायक और पदाधिकारियों पर तीखे वार

ऑडियो में केवल जातिगत टिप्पणी ही नहीं, बल्कि अपनों के

खिलाफ जहर भी जमकर उबला गया है। कथित जिलाध्यक्ष की आवाज में सुनाई दे रहा है कि पार्टी के तथाकथित नेता अध्यक्ष बनने के लिए 50 बार भोपाल गए, लेकिन उन्हें वहां से दुत्कार कर भगा दिया गया। इतना ही नहीं क्षेत्रीय विधायक मनीषा सिंह को लेकर भी तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें उनके टिकट कटने और घेरे में आने की भविष्यवाणी की जा रही है। वहीं सविता सिंह मार्को और जिला सरपंच अध्यक्ष के सीएम हाउस में हुए सम्मान को लेकर जो तंज कसे गए हैं, वे संगठन के भीतर चल रही गहरी दरार और ईष्र्या की राजनीति को सरेआम कर रहे हैं। ऑडियो में सुरकांत नामक व्यक्ति पर एक लाख रुपये डकारने और बिना हिसाब दिए जिला पदाधिकारी बनने का गंभीर आरोप भी लगाया गया है, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और संगठनात्मक नियुक्तियों में धांधली की ओर इशारा करता है।

फर्जी बताकर पल्ला झाडऩे की कोशिश

मामला गरमाता देख भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा रक्षात्मक मुद्रा में आ गई हैं। उन्होंने इस ऑडियो को सिरे से खारिज करते हुए इसे फर्जी करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि ऑडियो उनका होता, तो उनके फोन से निकलता, लेकिन राजनीति की समझ रखने वाले जानते हैं कि आज के दौर में लीक हुए ऑडियो अक्सर इसी तरह बाहर आते हैं। जिलाध्यक्ष की इस सफाई के बावजूद पार्टी के भीतर और बाहर असंतोष की ज्वाला शांत होती नहीं दिख रही है।

भोपाल से दिल्ली तक हडक़ंप

इस वायरल ऑडियो ने भाजपा के अंत्योदय और सबका साथ-सबका विकास के नारे को शहडोल में कटघरे में खड़ा कर दिया है। संगठन के भीतर की गुटबाजी अब बंद कमरों से निकलकर सोशल मीडिया पर आ चुकी है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश नेतृत्व और केंद्रीय संगठन ने इस मामले का कड़ा संज्ञान लिया है। चुनाव से पहले इस तरह का विवाद भाजपा की नैय्या डुबोने के लिए काफी है।

जनता की अदालत में सवाल

शहडोल की जनता और पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हैरान हैं कि जिस संगठन को वे परिवार मानते थे, वहां एक-दूसरे को नीचा दिखाने का खेल चल रहा है। क्या भाजपा का जिला नेतृत्व केवल एक-दूसरे की जड़ें काटने और जातिगत टिप्पणियां करने तक सीमित रह गया है। आने वाले दिन शहडोल भाजपा के लिए काफी भारी होने वाले हैं। यदि इस ऑडियो की सत्यता की जांच में जरा भी पुष्टि हुई, तो कई बड़े सिर कलम होना तय हैं। फिलहाल शहडोल की राजनीति में ऑडियो बम के धुएं ने साफ कर दिया है कि भाजपा के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और यह कोल्ड वॉर अब खुली जंग में तब्दील हो चुकी है।

चाका पंचायत में दूसरी बार उपचुनाव

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत बुढार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चाका आज पूरे जिले में सियासी अस्थिरता का केंद्र बन गई है। इस पंचायत ने अपने महज पांच साल के कार्यकाल में दूसरी बार उपचुनाव देखा है, जिसने व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले निर्वाचित सरपंच का असामयिक निधन और फिर तत्कालीन सरपंच फगुनी सिंह के खिलाफ पंचों का अविश्वास प्रस्ताव, इन सबने चाका की विकास की रफ्तार को ठप्प कर दिया है।कड़ाके की ठंड के बावजूद चाका के मतदाताओं ने अपनी ताकत दिखाई। देवकी सिंह और मीना सिंह के बीच सीधी और आक्रामक टक्कर के बीच शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। आंकड़ों की बात करें तो कुल 65.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों को पछाड़ते हुए 66.07 प्रतिशत वोटिंग की। मतदान केंद्र क्रमांक 142 पर कुल 496 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर भविष्य की नई इबारत लिखी है। चाका की यह राजनीतिक उठापटक बताती है कि यहां नेतृत्व की लड़ाई ने जनहित को हाशिए पर धकेल दिया है। अब देखना यह होगा कि इस महायुद्ध के बाद जो नया सरपंच चुनकर आता है, वह पंचायत को स्थिरता दे पाएगा या चाका फिर से साजिशों और अविश्वास की भेंट चढ़ जाएगा। फिलहाल मतपेटियों में कैद प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होना बाकी है।

फाइलों में कैद सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर भडक़े मुखिया

लापरवाह अफसरों को दी अंतिम चेतावनी

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विराट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कड़े तेवर दिखाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों को लेकर जिले के लापरवाह अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब खानापूर्ति और निम्न गुणवत्ता वाला निराकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान ऐसा होना चाहिए जिससे जनता संतुष्ट हो, न कि केवल फाइलें बंद करने के लिए कागजी घोड़े दौड़ाए जाएं।

50 दिनों से ऊपर की लंबित शिकायतों पर सर्जिकल स्ट्राइक

कलेक्टर ने उन विभागों को विशेष तौर पर निशाने पर लिया जहां शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से धूल फांक रही हैं। उन्होंने आदेश दिया कि ऐसी शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाए और कोई भी शिकायत अनअटेन्डेड (बिना जवाब के) नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को स्वयं शिकायतों की मॉनिटरिंग करने और एल-1 स्तर के अधिकारियों के माध्यम से तत्काल जवाब दर्ज कराने की हिदायत दी।

कुर्सी पर बैठकर न करें ऐश,

मैदानी अमले को झोंकें काम पर

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल कार्यालयों में बैठकर काम नहीं चलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मैदानी अमले को सक्रिय किया जाए और उन्हें जवाबदेही सौंपी जाए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां के जिला प्रमुखों को शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने का अल्टीमेटम दिया गया है। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित राजस्व के आला अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर की इस आक्रमक कार्यशैली ने साफ कर दिया है कि जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन रहने वाले अधिकारियों पर अब गाज गिरना तय है।

बेल्दी गांव के घर में घुसा बाघ, बिस्तर पर जमाया कब्जा

उमरिया।

जिले के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे बेल्दी गांव में सोमवार सुबह उस समय हडक़ंप मच गया, जब एक बाघ को पहले खेत में बैठे देखा गया और फिर वह सीधे गांव की आबादी में घुस आया। बाघ की मौजूदगी की खबर फैलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डरने लगे, जबकि कई ग्रामीण उत्सुकता में उसे देखने मौके पर पहुंच गए।

हालात तब और भयावह हो गए जब बाघ गांव में स्थित दुर्गा प्रसाद द्विवेदी के मकान के अंदर घुस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाघ घर के भीतर बिस्तर पर जाकर बैठ गया और कुछ देर तक वहीं विश्राम करता रहा। घर के अंदर बाघ के पहुंचने की खबर से गांव में दहशत फैल गई। आसपास के घरों के लोग दरवाजे बंद कर सहमे रहे और बच्चों व बुजुर्गों को सुरक्षित कमरों में रखा गया। इसी दौरान एक और गंभीर घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि बाघ ने स्थानीय ग्रामीण गोपाल पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में गोपाल लहूलुहान हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों का भय और अधिक बढ़ गया है। सूचना मिलते ही पनपथा बफर क्षेत्र की वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वन अमले ने गांव और आसपास के इलाके में घेराबंदी कर बाघ की लगातार निगरानी शुरू कर दी है। साथ ही ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, भीड़ न लगाएं और बाघ को देखने या उसका वीडियो बनाने की कोशिश न करें। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बेल्दी गांव बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगा हुआ क्षेत्र है और यहां पहले भी बाघों की आवाजाही देखी जाती रही है। हाल ही में चिल्हारी के गड़रिया हार क्षेत्र में देखी गई एक बाघिन को 26 दिसंबर को रेस्क्यू कर माधव टाइगर रिजर्व भेजा गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से साफ है कि बाघ आबादी वाले इलाकों की ओर बढ़ रहे हैं। फिलहाल वन विभाग की प्राथमिकता बाघ को सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालना और किसी भी तरह की जनहानि को रोकना है। गांव में निगरानी बढ़ा दी गई है और ग्रामीण दहशत के साये में दिन गुजार रहे हैं।

आपकी पूंजी-आपका अधिकार 10 वर्षों से बंद बैंक खातों का पैसा लौटाएगी सरकार

कलेक्टर ने विभागों को दिए क्लेम के निर्देश

शहडोल।

आपकी पूंजी आपका अधिकार है। भारत सरकार द्वारा ऐसे बैंक खाते जो विगत दस वर्षों से संचालित नहीं हो रहे हैं उन खातों में जमा राशि संबंधित हितग्राही को वापस करने हेतु वित्त मंत्रालय भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा अभियान चलाकर निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित शिविर में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि विभिन्न बैंकों में विभिन्न विभागों से संबंधित बैंक खाते अनक्लेम्ड हैं। संबंधित अधिकारी बैंको से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया पूरी करते हुए इस अनक्लेम्ड राशि को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि ग्राम पंचायतों सहित कई अन्य विभागों की राशि बैंक खातों में अनक्लेम्ड पड़ी हुई हैं।

अग्रणी बैंक प्रबंधक अमित चौरसिया द्वारा बताया गया कि बैंको में संचालित ऐसे बचत खाते जिनमें विगत 10 वर्षों से ऑपरेशन नहीं हुए हैं उन खातों की राशि रिजर्व बैंक द्वारा सुरक्षित कर ली जाती है। जिले में विभिन्न बैंक शाखाओं में व्यक्तिगत एवं शासकीय विभागों एवं अन्य संस्थानों के खातों में अन्क्लेम्ड राशि डेफ फंड में पड़ी हुई है। खाता धारक आवश्यक प्रमाण एवं केवायसी दस्तावेजों के साथ संबंधित बैंक शाखाओं में संपर्क कर इस राशि पर अपना क्लेम कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न बैंकों के समन्वयक अधिकारी उपस्थित थे।

किडनी मरीजों के लिए बड़ी राहतः सांसद ने जिला अस्पताल को दी डायलिसिस मशीन की सौगात

रोटरी क्लब की पहल लाई रंग

शहडोल।

जिला चिकित्सालय में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। राज्यसभा सांसद और रोटरी क्लब 3261 के पूर्व प्रांत पाल विवेक कृष्ण तन्खा ने रोटरी क्लब शहडोल की मांग को सहृदयता से स्वीकार करते हुए अपने सांसद मद से एक अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन स्वीकृत की है। इस सौगात के बाद अब जिले के निर्धन किडनी मरीजों को महंगे इलाज के लिए निजी अस्पतालों या बाहरी शहरों की ओर नहीं भटकना पड़ेगा।

रोटरी क्लब की सक्रियता से मिला हक

बीते दिनों रोटरी क्लब शहडोल और मंडला के पदाधिकारियों ने आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाले मेगा हेल्थ कैम्प की तैयारियों के संबंध में सांसद तन्खा से मुलाकात की थी। चर्चा के दौरान क्लब के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता और पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीन की नितांत आवश्यकता जताई। जनहित के इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए श्री तन्खा ने तत्काल मशीन की स्वीकृति प्रदान कर दी।

स्वास्थ्य शिविर से पहले शुरू होगी सुविधा

सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने इस पहल का स्वागत करते हुए पुष्टि की है कि रोटरी क्लब के माध्यम से मशीन जल्द ही अस्पताल में स्थापित कर दी जाएगी। प्रयास यह है कि 13 से 15 मार्च के बीच आयोजित होने वाले विशाल स्वास्थ्य शिविर से पहले यह जीवनदायिनी मशीन चालू हो जाए, ताकि संभाग के जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ मिलना शुरू हो सके। रोटरी क्लब की इस दूरगामी सोच की शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने सराहना की है।

खबर संक्षेप

भागवत कथा का समापन के साथ आज विशाल भंडारा

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। समाज सेवा से जुड़े राजेंद्र विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 9 दिन से चल रहे श्रीमद् भागवत कथा का संगीत मध्य का आज समापन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भागवत कथा को सुनने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही आसपास के क्षेत्र के लोग भी प्रवचन और संगीत कार्यक्रम का आनंद लेने पहुंचे श्री कथा वाचक राजेंद्र तिवारी सिरोंजा वाले के वशिष्ठ द्वारा कथा सुनकर लोग मंत्र मुग्ध हो गए देखा गया कि प्राचीन श्री राधा कृष्ण मंदिर के पास चल रहे भागवत कथा का आनंद लेने ग्रामीण जन महिलाएं एवं पुरुष की भारी भीड़ हो रही थी कार्यक्रम के मुख्य आयोजक ग्रामीण जनों के साथ राजेंद्र नापित केशव साहू सुबह लाल श्याम किशोर विजय गोपाल श्यामलाल राजकुमार और ग्रामीण वासियों का पूर्ण योगदान एवं सहयोग रहा है।

सैकड़ों श्रमिकों ने ग्रहण की कोयला मजदूर सभा की सदस्यता

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। जमुना कोतमा क्षेत्र के कोतमा कोलियरी स्थित संघ के क्षेत्रीय कार्यालय में 28 दिसंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नीलकंठ परियोजना के सैकड़ों कर्मचारियों ने कोयला मजदूर सभा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने की। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नर्मदा प्रसाद शर्मा एवं ए-ओसीएम अध्यक्ष पंकज चंद्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नए सदस्यों का स्वागत क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर किया गया। अपने संबोधन में श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि कोयला मजदूर सभा सदैव श्रमिकों के सुख-दुख और संघर्ष के हर क्षण में उनके साथ खड़ी रहेगी तथा उनके अधिकारों की मजबूती से लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने संगठन की एकता और मजबूती पर जोर देते हुए श्रमिक हितों को सर्वोपरि बताया। कार्यक्रम में कौशलाधीश द्विवेदी, रवि त्रिवेदी सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। यह आयोजन क्षेत्र में श्रमिक संगठन की बढ़ती सक्रियता और एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है।

एसईसीएल के खिलाफ जनता की अदालत में होगा न्याय

आज से रामपुर बटुरा खदान में महायुद्ध

शहडोल। कोयले की कालिख से गरीब किसानों का भविष्य काला करने पर आमादा एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ अब आर-पार की जंग का ऐलान हो चुका है। रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों ने साफ कर दिया है कि अब प्रबंधन की खोखली धमकियां और मीठी बातें नहीं चलेंगी। आगामी 30 दिसंबर को कड़ाके की ठंड के बीच किसानों का सैलाब संपूर्ण खदान बंद करने के संकल्प के साथ सडक़ों पर उतरेगा। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा की अगुवाई में किसानों ने हुंकार भरी है कि अब कोई बंद कमरे में समझौता नहीं होगा, फैसला होगा तो केवल जनता की चौपाल में होगा।

जनता की अदालत करेगी हिसाब

सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा है कि एसईसीएल प्रबंधन ने दशकों से किसानों को ठगा है। जिस तरह की तानाशाही चल रही है, उसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 30 दिसंबर को खदान के मुहाने पर जनता की अदालत लगेगी। यह अदालत न केवल प्रभावितों के हक का फैसला करेगी, बल्कि उन अधिकारियों का चेहरा भी बेनकाब करेगी, जो एसी कमरों में बैठकर गरीब आदिवासियों और किसानों की जमीन हड़प रहे हैं। इस आंदोलन को सोहागपुर एरिया की सभी यूनियनों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं का खुला समर्थन प्राप्त है, जिससे यह एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है।

नापी का नाटक और धमकियों का दौर

हैरानी की बात यह है कि जब आंदोलन की आहट तेज हुई, तो प्रबंधन की टीम किसानों को लुभाने और डराने के लिए अचानक मकान नापी का नाटक करने पहुंच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन मकानों की नापी 10 साल पहले हो चुकी है और रिकॉर्ड जमा हैं, उनकी फिर से नापी करना सिर्फ किसानों को गुमराह करने और डराने की एक साजिश है। इतना ही नहीं, आंदोलन से जुड़े किसानों का मोबाइल नंबर ट्रेस कर उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक और स्थानीय प्रशासन को आगाह किया है कि यदि किसी भी किसान या उनके परिजनों को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया, तो पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों की होगी।

लूट की खुली दास्तां

रामपुर बटुरा परियोजना में टके सेर भाजी, टके सेर खाजा वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दीपू बैगा जैसे कई आदिवासी हैं, जिनकी जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई तक पूरी नहीं हुई। भगवान दास बैगा जैसे युवा एडीसी के तकनीकी पेंच में उलझाकर जॉइनिंग से वंचित रखे गए हैं। 90 फीसदी आश्रितों का रोजगार आज भी फाइलों में धूल फांक रहा है। अयोध्या गुप्ता, मुरली साहू, मुन्नी बाई, राम सजन बैगा और बाबूलाल साहू जैसे सैकड़ों किसान हैं जिनकी जमीन से कोयला तो निकाल लिया गया, लेकिन उन्हें मुआवजे का एक नोटिस तक नहीं थमाया गया।

किसानों की दो टूक

किसानों ने सामूहिक रूप से ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर अपनी मांगें स्पष्ट कर दी हैं कि पुनर्वास की राशि को 3 लाख से बढ़ाकर सीधे 10 लाख रुपये किया जाए। 58 मकानों के टुकड़ों में मुआवजे के बजाय पूरे गांव का मुआवजा एक साथ और 100 प्रतिशत सुरेशम के साथ दिया जाए। जब तक विस्थापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, एसईसीएल को गांव में बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा की पुख्ता व्यवस्था करनी होगी। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे मौखिक आश्वासन की भीख नहीं मांग रहे। अब कागज बोलेगा और जनता बोलेगी।

दिग्गजों ने संभाली कमान

इस महायुद्ध में क्षेत्र के सरपंच, उपसरपंच सहित तमाम जनप्रतिनिधि एक मंच पर आ गए हैं। इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता आनंद त्रिपाठी, किसान नेता आदित्य त्रिपाठी, पूर्व सरपंच झोले बैगा, जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी सहित दर्जनों नेता दिन-रात गांवों में चौपाल लगा रहे हैं। कड़ाके की ठंड में भी किसानों का जोश कम नहीं हो रहा है। किसानों ने कसम खाई है कि जब तक उनकी मिट्टी का सही मोल और उनके बच्चों को रोजगार नहीं मिलता, तब तक खदान से कोयले का एक दाना भी बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

चंदिया रेलवे यार्ड बना डेथ ट्रैप

बोगियों के की चपेट में आये मजदूर, कार्यवाही की दरकार

उमरिया। रेलवे की लापरवाही और सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर किए जा रहे कार्यों ने रविवार को चंदिया रेलवे यार्ड को अखाड़ा बना दिया। ट्रेन की शंटिंग के दौरान हुए खौफनाक हादसे में मौत बनकर दौड़ती बोगियों ने वहां काम कर रहे निर्दोष मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण दुर्घटना में तीन मजदूर लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं चावल से लदा एक ट्रक लोहे के इन भारी-भरकम डिब्बों की टक्कर से खिलौने की तरह पिचक गया। सवाल यह है कि आखिर इस जानलेवा चूक का जिम्मेदार कौन है?

जब बिना चेतावनी दौड़ पड़ीं बोगियां

हादसा उस वक्त हुआ जब यार्ड में मालगाड़ी की बोगियों को अलग-अलग पटरियों पर व्यवस्थित (शंटिंग) किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक कुछ बोगियां बेकाबू होकर पीछे की ओर ढलान पर दौडऩे लगीं। वहां मौजूद मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। वे बोगियों में चावल लोड कर रहे थे, बोडियों के चलने से यार्ड में अफरा-तफरी का माहौल था, चीख-पुकार मची थी और रेलवे का अमला मूकदर्शक बना देख रहा था।

रक्त रंजित हुआ यार्ड, ट्रक के उड़े परखच्चे

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चावल की खेप लेकर खड़ा ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक का अगला हिस्सा लोहे के मलबे में तब्दील हो गया। घायल मजदूरों को आनन-फानन में अन्य साथियों ने बोगियों के नीचे और मलबे से खींचकर बाहर निकाला। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। शरीर के कई हिस्सों में फ्रैक्चर और आंतरिक चोटों ने मजदूरों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। क्या रेलवे प्रशासन इन गरीब मजदूरों के इलाज और हर्जाने की जिम्मेदारी लेगा?

सुरक्षा मानकों की धज्जियां

यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर रेलवे प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर तमाचा है। शंटिंग के दौरान ब्रेक ब्लॉक और हैंड ब्रेक का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया, क्या रेलवे ने लोडिंग जोन में काम कर रहे मजदूरों को किसी तरह का अलार्म या चेतावनी दी थी, बिना किसी सुपरविजन के इतनी जोखिम भरी प्रक्रिया को अंजाम कैसे दिया जा रहा था, स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि यार्ड में सुरक्षा के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। अधिकारियों की नाक के नीचे मजदूर जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

लीपापोती होगी या कार्रवाई

घटना के घंटों बाद नींद से जागी जीआरपी और रेलवे पुलिस ने मौके का मुआयना किया है। जांच के नाम पर हमेशा की तरह बयानों का दौर शुरू हो गया है। पुलिस यह पता लगाने का दावा कर रही है कि बोगियां तकनीकी खराबी से खिसकीं या मानवीय लापरवाही से, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर बड़े अधिकारियों को बचा लिया जाएगा?

रेलवे प्रशासन की चुप्पी पर उठते सवाल

रविवार के इस खौफनाक मंजर ने रेलवे यार्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही की पोल खोल दी है। यदि समय रहते सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, तो आज तीन परिवार संकट में न होते। स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अगर जांच निष्पक्ष नहीं हुई और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। अब देखना यह है कि रेल प्रशासन इस इंसानी चूक को कब स्वीकार करता है और यार्ड की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्या ठोस कदम उठाता है। फिलहाल, चंदिया यार्ड में सन्नाटा पसरा है, लेकिन हवा में मजदूरों की वो चीखें अब भी सवाल पूछ रही हैं।

कमिश्नर का पठारी में सर्जिलक स्ट्राइक

स्कूल से लेकर निर्माण कार्यों तक की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने ग्राम पंचायत पठारी में विकास कार्यों का पोस्टमार्टम किया। औचक निरीक्षण के दौरान कमिश्नर के सख्त तेवरों ने पंचायत से लेकर स्कूल प्रबंधन तक में हडक़ंप मचा दिया। पीएम आवास, पोषण वाटिका, खेल मैदान और निर्माणाधीन भवनों की जमीनी हकीकत परखते हुए कमिश्नर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि सरकारी धन का उपयोग जनता की सुविधा के लिए होना चाहिए, न कि फाइलों को सजाने के लिए।

स्व-सहायता समूहों से आय का हिसाब

कमिश्नर ने वर्षा और सरस्वती स्व-सहायता समूह की महिलाओं से सीधा संवाद किया। श्यामवती और मीरा सिंह से उन्होंने दो टूक सवाल किया कि पोषण वाटिका और अन्य गतिविधियों से वास्तव में कितनी आय हो रही है? उन्होंने समूह की गतिविधियों को केवल कागजों तक सीमित न रखकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। वहीं, पीएम आवास की हितग्राही पार्वती सिंह राठौर के घर पहुंचकर उन्होंने जमीनी फीडबैक लिया और राशन तथा पेंशन जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता की पुष्टि की।

निर्वाचन कार्य में लॉजिकल एरर पर सख्त हिदायत

आगामी चुनावी तैयारियों के मद्देनजर कमिश्नर ने मतदान केंद्र क्रमांक 227 और 228 का मोर्चा संभाला। बीएलओ से फॉर्म-6 और फॉर्म-8 की जानकारी लेते हुए उन्होंने लॉजिकल एरर (तार्किक त्रुटियों) को लेकर फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया कि दस्तावेजों का सत्यापन बिना किसी गलती के किया जाए और ऑनलाइन फीडिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित हो। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर की ढिलाई को अक्षम्य अपराध माना जाएगा।

अधिकारियों की फौज रही मौजूद

निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, तहसीलदार अभ्यानंद शर्मा, एसएलआर सतीश सोनी और सरपंच गोविंद प्रसाद गौतम सहित जिले का अमला मौजूद रहा। कमिश्नर के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पठारी जैसी दूरस्थ पंचायतों में चल रही सुस्ती अब नहीं चलेगी। अधिकारियों को अब हर एक पाई का हिसाब और हर एक निर्माण की मजबूती का प्रमाण देना होगा।

शमिड-डे मील और विकास कार्यों का टेस्ट

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर सीधे स्कूल की रसोई में पहुंचीं। वहां बन रहे आलू-छोला, दाल और चावल का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए उन्होंने सख्त हिदायत दी कि मीनू के साथ रत्ती भर भी खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। बच्चों की थाली में गुणवत्तायुक्त भोजन पहुंचना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन विकास कार्यों का कच्चा-चि_ा खोला, 9 लाख की लागत से बन रही बैठक व्यवस्था और 6 लाख की सोलर लाइट परियोजना की समीक्षा की। कमिश्नर ने ग्राउंड को तत्काल लेवल (समतल) कराने के निर्देश दिए ताकि बजट का वास्तविक लाभ खिलाडिय़ों को मिल सके। 3.54 लाख की डब्ल्यूएसपी परियोजना और स्कूल के अतिरिक्त कक्षों की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने तकनीकी मापदंडों की जांच की।

कोयलांचल में कागजों में दौड़ रहा विकास का घोड़ा

यहां हो रही सिर्फ घोषणा, जमीनी हकीकत कोसों दूर

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र होने के साथ हीअति पिछड़ा क्षेत्र है। आज भी यहां के नागरिक विकास को लेकर तरस रहे हैं। कहने को तो कोतमा विधानसभा क्षेत्र सामान्य क्षेत्र घोषित हो गया है और चौथी बार यहां से सामान्य सीट पर विधायक चुने गए हैं। जो संभाग से इकलौते मंत्री हैं।लेकिन आज भी इस क्षेत्र मे पूरी तरह से विकास कार्य नहीं हो पाया विधानसभा क्षेत्र में पूरी तरह से खंड स्तरीय कार्यालय संचालित नहीं हो पाए हैं। साल बीतने को है लेकिन लोगों की पूरी नही हो रही है लोगों अभी भी इस आस के साथ है की हो सकता है कि आने नये साल मे उन्हे यह सुविधा मिल जाये।

पूर्व में की घोषणा पर आज तक अमल नही

वर्ष 2018 मे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा कोतमा में विकास यात्रा के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्वगीर्य राजेश सोनी के मांग पत्र पर मंच से कोतमा मे खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने की घोषणा की थी। लेकिन उस घोषणा में मात्र पी एच ई विभाग का कार्यालय ही संचालित हो पाया है जबकि घोषणा किये सात बर्ष हो गये।

घोषणा पर घोषणा

खंड स्तरीय कार्यालय कोतमा में संचालित किये जाने को लेकर कोतमा क्षेत्र से विधायक एवं शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल के द्वारा 16 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के अनुपपुर आगमन पर कोतमा मे सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय खोले जाने को लेकर मांग पत्र सौंपा गया था जिस पर मुख्यमंत्री के द्वारा मंच से घोषणा की गई थी कि जल्द ही कोतमा मे सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय खोला जाएगा लेकिन उस घोषणा को भी एक साल हो गया लेकिन उस पर आज तक अमल नही हुआ।

समय एवं पैसा होता बर्बाद

कोतमा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आज भी जिला मुख्यालय छोटे से काम के लिए जाना पड़ता है जिसके कारण लोगों का समय एवं पैसा भी बर्बाद होता है और जब काम नहीं होता है तो बैरंग वापस लौट आते हैं और शासन को कोसते नजर आते हैं । अभी तक नागरिकों को यह जानकारी नहीं हुई है कि कोतमा में खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने को लेकर कार्यवाही कहां तक पहुंची है या यह भी महज घोषणा साबित होकर रह जाएगी । या ऐसे ही क्षेत्र के नागरिकों को झुनझुना पकड़ाया जायेगा।

कोतमा नगर पालिका के पूर्व पार्षद देवशरण सिंह का कहना है कि साल बीतने को है। लेकिन हमारा क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र है साथ ही आर्थिक स्थिति में अधिकांश लोगों की सही नही है। सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय नही होने के कारण यहा के नागरिकों को छोटे छोटे काम के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। जिसके कारण लोगों को परेशानी होती है साथ ही आर्थिक बोझ भी उठना पड़ता है। एक साल बीत गये हमारे मुख्यमंत्री को खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने की घोषणा को लेकिन वह घोषणा अभी तक अमल में होता दिखाई नही दे रहा है। ग्रामीण ललित सिंह का कहना है कि कोतमा में सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय नही होने के कारण हम ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है छोटे छोटे जरूरी कामों के लिए हमें जिला मुख्यालय जाना पड़ता है जिसके कारण परेशानी होती है और जब काम नहीं होता है तो हमें बैरंग वापस लौटना पड़ता है जिसके कारण आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। हमे हर बार घोषणा रूपी झुनझुना पकडा दिया जाता है। यह साल भी बीतने को है लेकिन खंड स्तरीय कार्यालय की सुविधा नही मिली। उरतान गांव के ग्रामीण कोमल का कहना है हमारे क्षेत्र से प्रदेश सरकार मे दिलीप जायसवाल मंत्री हैं उसके बाद भी हमारे क्षेत्र मे आज तक सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय नही खुल पाया जबकि मुख्यमंत्री को घोषणा किये एक साल हो गया हमे खंड स्तरीय कामों के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है जिससे समय के साथ ही पैसा भी बर्बाद होता है। यदि कोतमा मे खंड स्तरीय कार्यालय खुल जाये तो हमें 40 किलोमीटर का सफर नही करना पड़ेगा वह काम 15 किलोमीटर में ही हो जायेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण एक सप्ताह के अंदर करना सुनिश्चित करें । जो विभाग प्रमुख डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।उन्होने कहा कि एमपी ई सेवा पोर्टल एवं मोबाइल एप के पोस्टर , बैनर अपने कार्यालय में लगाए । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता पर क्लास

शासकीय हाई स्कूल पठारी के निरीक्षण के दौरान कमिश्नर एक सख्त शिक्षिका के रूप में नजर आईं। उन्होंने कक्षा 7वीं के बच्चों के हाथ में हिंदी की किताब थमा दी और उनकी रीडिंग स्किल जांची। हालांकि बच्चों ने सही तरीके से पाठ पढ़ा, लेकिन कमिश्नर ने उपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। कक्षा 7 वीं में 23 में से केवल 17 बच्चों की मौजूदगी पर उन्होंने शिक्षक प्रांजल गुप्ता को आड़े हाथों लिया। कमिश्नर ने दो टूक कहा कि केवल हाजिरी भरना काफी नहीं है, बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना अनिवार्य है। उन्होंने प्राचार्य को सख्त निर्देश दिए कि 10 वीं और 12 वीं का रिजल्ट

खबर संक्षेप

जिला शिक्षा केंद्र की टीम शिक्षकों से निरंतर कर रही शैक्षिक संवाद

कटनी। शालाओं की सघन मानीटरिंग करने तथा एफएलएन आधारित दक्षता के आधार पर प्राथमिक शालाओं को निपुण शाला बनाने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला शिक्षा केंद्र की टीम द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला परियोजना समन्वयक प्रेमनारायण तिवारी ने शासकीय माध्यमिक शाला बंधी, शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला सरसवाही, शासकीय प्राथमिक शाला धरवारा के शाला अवलोकन के साथ शैक्षिक संवाद जनशिक्षा केंद्र धरवारा तथा पान उमरिया मे शैक्षिक संवाद किया। शैक्षिक संवाद में उपस्थित सभी शिक्षकों को पुनरावलोकन व समेकन के साथ समय- सीमा मे पाठ्यक्रम पूर्णता के साथ बच्चों को कक्षानुरूप व पाठ्यक्रम पूर्णता के आधार पर बिषय वस्तु का ज्ञान हो,ऐसा सुनिश्चित करने के प्रयास करने प्रेरित किया गया।साथ ही नवभारत साक्षरता के अंतर्गत चेतना केंद्रों के व्यवस्थित संचालन करते हुए शेष बचे असाक्षरों के शत-प्रतिशत पंजीयन कर इस अभियान में सभी की सहभागिता की अपील की गई।

मिशन वात्सल्य के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला चिकित्सालयमें मिशन वात्सल्य के अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में संरक्षण अधिकारी मनीष तिवारी द्वारा प्रतिभागियों को व्यक्तिगत देखरेख योजना एवं सामाजिक जाँच रिपोर्ट की रूपरेखा, निर्माण और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। तदुपरांत बाल प्रबंधन समिति एवं निरीक्षण समिति के कार्य दायित्व एवं भूमिका एवं मिशन वात्सल्य पोर्टल के सम्बन्ध में चर्चा की गई। प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में बाल कल्याण समितिके अध्यक्ष योगेश बघेल द्वारा प्रतिभागियों को मिशन वात्सल्य के क्रियान्वयन एवं किशोर न्याय अधिनियम अंतर्गत विभिन्न हितधारकों के कार्यदायित्वों के सम्बन्ध में प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकासविभाग सुश्री वनश्री कुर्वेती,पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, दुर्गेश मरैया, कमलेश पटेल, श्रीमती कनक शर्मा, अजय दुबे, शैलजा पाण्डेय, सुश्री शिवानी यादव, नीतेश राठौर, बाल देखरेख संस्थाओं के प्रतिनिधि, विशेष किशोर पुलिस इकाई कटनी के पदाधिकारी एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अखंड संकीर्तन एवं भंडारे का होगा आयोजन

सिलौंडी। श्रीपंचमुखी दरबार सिलौंडी में अयोध्या के श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरी वर्ष गांठ के शुभ अवसर पर पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी, 31 दिसंबर बुधवार सुबह 10 बजे से संत दामोदर दास त्यागी महाराज के पावन सानिध्य में ग्राम पुरोहित संयोग शास्त्री महाराज के निर्देशन में पंचमुखी सेवा न्यास दरबार और सिलौंडी के जनमानस के विशेष सहयोग से अखंड संकीर्तन और 1 जनवरी गुरुवार को हवन, पूजन, विशाल शोभायात्रा सीताराम लक्ष्मण जी की झांकी और महा प्रसाद भंडारा का आयोजन है ।

मंदिर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल चोरी

कटनी। बरही के विजयनाथ धाम मंदिर से दिनदहाड़े बाइक चोरी कर बदमाश चंपत हो गया। मंदिर के पुजारी जगतराज तिवारी ने बताया कि वे रोज़ की तरह भगवान की पूजा-अर्चना के लिए मंदिर के अंदर गए हुए थे। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर मंदिर के बाहर खड़ी उनकी मोटरसाइकिल क्रमांक MP 21 ME 1648 चोरी कर ली। पूजा समाप्त होने के बाद जब पुजारी मंदिर के बाहर पहुंचे तो उनकी मोटरसाइकिल वहां मौजूद नहीं थी। इसके बाद उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की और लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन चोरी गई मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुजारी बरही थाना पहुंचे और लिखित शिकायत पत्र सौंपते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

नए साल पर फुटबॉल का महासंग्राम

सुभाष स्टेडियम में 12 टीमों के बीच अखिल भारतीय गोल्ड कप

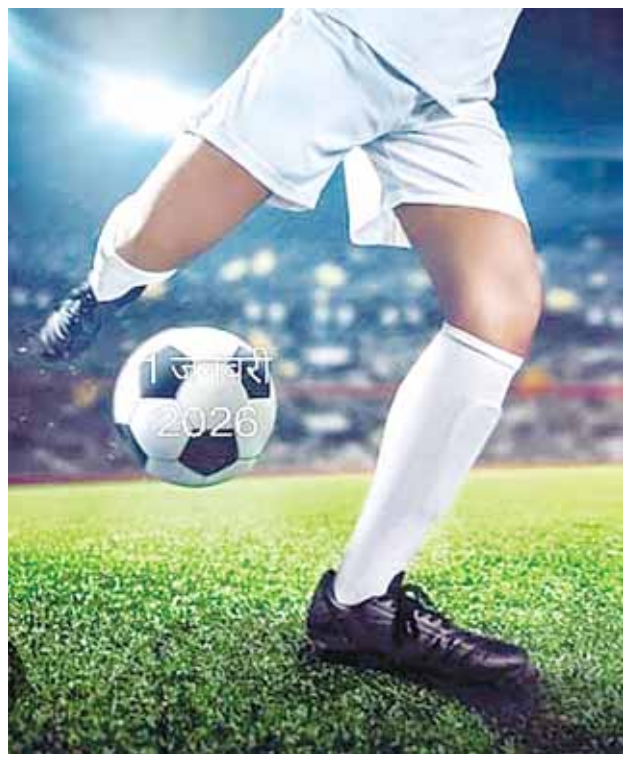

फुटबॉल टूर्नामेंट 1 जनवरी से रोज़ होंगे दो मुकाबले

धनपुरी।

नए वर्ष 2026 के आगमन के साथ ही धनपुरी एक बार फिर खेलों के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है। नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ 1 जनवरी 2026 से सुभाष स्टेडियम, धनपुरी नंबर-3 में किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई 12 नामचीन फुटबॉल टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच कड़े और रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।टूर्नामेंट की अवधि 1 जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। आयोजन के दौरान प्रतिदिन दो-दो मैच खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को लगातार दस दिनों तक उच्चस्तरीय फुटबॉल देखने का अवसर मिलेगा। नगर पालिका द्वारा आयोजन को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोरों-शोरों से की जा रही हैं।इस संबंध में शनिवार 27 दिसंबर को नगर पालिका सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा ने की। बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पूजा बुनकर, सांसद प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह छाबड़ा सहित नगर पालिका के सभी विभागीय सभापति उपस्थित रहे। बैठक में टूर्नामेंट के सुचारु संचालन के लिए एक विशेष आयोजन समिति का गठन किया गया तथा सभी सभापतियों को अलग-अलग विभागीय जिम्मेदारियां सौंपी गईं।उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा यह तीसरा अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व वर्ष 2017 में पहली बार और 2025 में दूसरी बार गोल्ड कप का आयोजन किया जा चुका है। नगर पालिका का कहना है कि इस बार आयोजन को पहले से अधिक भव्य, अनुशासित और दर्शकप्रिय बनाया जाएगा।एक समय था जब एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के सहयोग से आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के कारण धनपुरी नगर की पहचान जिला और प्रदेश स्तर पर बनी थी। सुभाष स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले देखने के लिए जिले सहित आसपास के दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों खेल प्रेमी पहुंचते थे। स्टेडियम में लगभग 20 हजार दर्शकों की मौजूदगी के बीच रोमांचक मुकाबले खेले जाते थे, जिनकी यादें आज भी खेल प्रेमियों के दिलों में ताजा हैं।हालांकि पिछले कुछ आयोजनों में अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के आने से दर्शकों में निराशा देखने को मिली थी, लेकिन इस बार खेल प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि राष्ट्रीय स्तर की मजबूत और चर्चित टीमें मैदान में उतरेंगी। संभावित टीमों में तमिलनाडु पुलिस, राजस्थान पुलिस, आरसीएफ पंजाब, बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई, केरल, कश्मीर, कर्नाटक सहित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की टीमें शामिल हैं।खेल प्रेमियों का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा की सकारात्मक सोच और पहल से धनपुरी में एक बार फिर खेल संस्कृति को नई पहचान मिल रही है। तीसरी बार गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन से न सिर्फ खिलाड़ियों को मंच मिलेगा, बल्कि नगरवासियों और कोयलांचल क्षेत्र के खेल प्रेमियों को स्वस्थ मनोरंजन का बड़ा अवसर भी प्राप्त होगा।कुल मिलाकर, नए साल की शुरुआत धनपुरी में फुटबॉल के जुनून, जोश और उत्साह के साथ होगी और सुभाष स्टेडियम एक बार फिर दर्शकों की तालियों और नारों से गूंजता नजर आएगा।

शारदा कालरी में भर्ती के नाम पर खेल! आर.के. अर्थ रिसोर्स पर नियमों को ताक पर रखने का आरोप

अमलाई। शारदा ओसीएम कालरी में कार्यरत निजी कंपनी आर.के. अर्थ रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों एवं बेरोजगार युवाओं ने कंपनी पर खनन अधिनियम, श्रम नियमों और स्थानीय रोजगार नीति की खुलेआम अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उपक्षेत्रीय प्रबंधक, शारदा ओसीएम को ज्ञापन सौंपा है।ग्रामीणों का आरोप है कि आर.के. अर्थ रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के बजाय जनप्रतिनिधियों को आगे कर एक अवैध भर्ती समिति का गठन कराया है, जबकि भर्ती करना कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों का कार्य है। बिना किसी स्पष्ट नियम, आदेश या खनन अधिनियम की धारा का उल्लेख किए जनप्रतिनिधियों को समिति में शामिल करना पूरे मामले को संदिग्ध बनाता है।ज्ञापन में कहा गया है कि भर्ती समिति के जरिए अपने-अपने वार्ड और चहेते लोगों को नौकरी दिलाने का रास्ता खोला जा रहा है, जिससे वास्तविक प्रभावित क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है। यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्षों से खदान में कार्यरत पुराने कर्मचारियों को बाहर करने का दबाव बनाया जा रहा है, जो सीधे तौर पर श्रमिक शोषण की श्रेणी में आता है।ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया है कि खनन नियमों के तहत प्रभावित क्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देना अनिवार्य है, लेकिन आर.के. अर्थ रिसोर्स इस नियम को दरकिनार कर सीमित क्षेत्र विशेष के लोगों को भर्ती करने की तैयारी में है, जिससे खनन अधिनियम का उल्लंघन होगा।सबसे गंभीर आरोप यह है कि भर्ती के नाम पर अवैध लेन-देन और वसूली की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूछा है कि यदि किसी बेरोजगार से नौकरी के बदले पैसा लिया जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी आर.के. अर्थ रिसोर्स की होगी या फिर समिति में शामिल जनप्रतिनिधियों की।ग्रामीणों ने यह भी चेताया है कि भविष्य में खदान क्षेत्र में किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अवैध गतिविधि होती है, तो उसकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी आर.के. अर्थ रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड पर तय की जानी चाहिए।ज्ञापन में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि यदि अवैध भर्ती समिति को तत्काल भंग नहीं किया गया, भर्ती प्रक्रिया कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के माध्यम से नियमों के अनुसार शुरू नहीं की गई और स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ग्रामीण धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

शिक्षा की मुख्यधारा से लाभान्वित कराने सरकार पूर्णत: तत्पर- विधायक जयसिंह मरावी

संदीपनि विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं कैरियर काउंसलिंग का किया गया भव्य आयोजन

बुढ़ार।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय बुढ़ार में वार्षिकोत्सव तथा कैरियर काउंसलिंग का आयोजन उत्साहमय किया गया और विद्यालयीन छात्रों ने वार्षिकोत्सव अवसर पर मनमोहक मंचीय प्रस्तुति दी, वहीं छात्रों के कैरियर काउंसलिंग पर विषय विशेषज्ञों ने विस्तार पूर्वक अवगत कराया।

जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ में तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता एवं जिला सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, विकासखंड शिक्षाधिकारी डी.के. निगम, गीतानुरागी श्रीकांत शर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक-शिवेंद्र कुमार द्विवेदी, जिला भाजपा उपाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विश्नानी, पूर्व जिला भाजपा महामंत्री दीपक शर्मा, मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी, पार्षद मोहन बैगा, पूर्व पार्षद मनोज जैन के विशिष्ट आतिथ्य में वार्षिकोत्सव एवं कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथ विधायक जयसिंह मरावी ने विद्यालयीन छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगमंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहाकि-विद्यालय के छात्र रुचि के अनुरूप अपना लक्ष्य बनाएं और उसी के अनुरूप लक्ष्य हासिल करने मेहनत करें, निश्चित ही सफलता अर्जित होगी।

विधायक जयसिंह मरावी ने कहाकि-शिक्षा की मुख्यधारा से छात्रों को लाभान्वित कराने केंद्र एवं प्रदेश सरकार पूर्णतः तत्पर है, जिसके फलस्वरुप छात्र प्रदत्त सुविधाओं से लाभान्वित होकर अपना तथा अपने विद्यालय को गौरवान्वित करा रहे हैं।

मुख्यातिथ विधायक जयसिंह मरावी ने आश्वस्त कराया कि-सांदीपनि विद्यालय बुढ़ार में ही स्थापित रहे, जिस दिशा में भरसक प्रयास रहेगा।

सांदीपनि विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेवारानी पाण्डेय ने मुख्यातिथ, अध्यक्ष व अतिथियों का स्वागत करते हुये कहाकि-शासन एवं शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार छात्रों को शिक्षा का भरपूर लाभ अर्जित कराया जा रहा है, वहीं उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने सांस्कृतिक कार्यक्रम का यह आयोजन किया गया जिसमें अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से छात्रों का भरपूर उत्साह वर्धित किये जिसके प्रति विद्यालय आभारी है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने वार्षिकोत्सव अवसर पर छात्रो द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहाकि-शासकीय विद्यालयों में भी छात्रों की प्रतिभायें है, जिन्हें सवारने शिक्षकों का यह प्रयास सराहनीय है।

श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि-छात्रों को अपने कैरियर के अनुरूप तत्पर रहने की आवश्यकता है, इस दिशा में विषय विशेषज्ञों ने भीड़ प्रेरित किया है जो उन्हें स्वर्णिम भविष्य की ओर निश्चित ही अग्रसर करेगा।

विद्यालय के वार्षिकोत्सव अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसकी अतिथियों व उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम अवसर पर पधारे अनेक विषय विशेषज्ञों ने कक्षा-12वीं के उपरांत छात्रों को किस क्षेत्र में अपना कैरियर चयनित करना है, उन्हें विस्तार पूर्वक जानकारी हासिल करायी।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्यता सी.बी. शुक्ला तथा शिक्षक महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम को भव्यता दिलाने सांस्कृतिक प्रभारी-श्रीमती नाजिमा बेगम, अमित तिवारी, उप प्राचार्य व्ही.के. पयासी, शिक्षक-हरेराम सिंह, परितोष सोनी, संजीत पाण्डेय, इंद्रभान सिंह का सहयोग रहा वहीं इस अवसर पर डॉ. प्रगति त्रिपाठी, मिलन मार्को, निसार अली तथा विद्यालयीन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

प्रधानमंत्री -श्री मोदी के 'मन की बात' प्रसारण को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर कटकोना की छात्राओं ने पूरे मनोयोग से सुना

शिक्षा का मुख्य लाभ अर्जित कराने प्रदेश सरकार कृत संकल्पित : विधायक जयसिंह

बुढ़ार।

माता सबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर कटकोना (समदा टोला) में भारत के यशस्वी, लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" को छात्राओं ने पूरे मनोयोग से सुना, वहीं कार्यक्रम के अतिथियों ने शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे सार्थक पहल पर अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किये।जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ एवं मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी की अध्यक्षता तथा वरिष्ठ पत्रकार - मोहन नामदेव, ग्राम पंचायत कटकोना के सरपंच रामसजन बैगा, उपसरपंच शिवेंद्र सिंह बघेल, सज्जन पांडेय (उपसरपंच सेमरा), भाग चंद्र सोनी के विशिष्ट उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 129 वें एपिसोड 'मन की बात' जो राष्ट्रनिर्माण, समाज, संस्कृति, प्रेरक प्रयासों तथा देश के भावी कर्णधारों को ऊंचाइयां अर्जित कराये जानें से भरपूर रही, जिन्हें कार्यक्रम में पधारे अतिथियों व कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने पूरे उत्साह से सुना और प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' की मुक्तकंठ से सराहना की।

जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने कहाकि - देश की तरक्की व खुशहाली का मार्ग देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में हो रहा है, और उनके प्रति अटूट आस्थायें हम सभी की हैं, वहीं शिक्षा का मुख्य लाभ शिक्षार्थियों को सुगमता से अर्जित हो प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी कृत संकल्पित है। विधायक जयसिंह मरावी ने कहाकि - माननीय प्रधानमंत्री जी ने 'मन की बात' में राष्ट्र निर्माण जैसे अनेक पहलुओं पर अपने विचार देश एवं प्रदेशवासियों के मध्य साझा किये हैं, जो अनुकरणीय व अति प्रेरणादायी है।

विशिष्ट अतिथि पत्रकार - मोहन नामदेव ने कहाकि - शिक्षा का भरपूर लाभ शिक्षार्थियों को मिले इस दिशा में सार्थक पहल सरकार द्वारा निरंतर की जा रही है, जिसके फलस्वरुप भावी कर्णधार शिक्षा के क्षेत्र में अपना तथा अपने संभाग का नाम रोशन कर रहे हैं।

माता सबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य - वर्षा रानी दुबे ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत करते हुये कहाकि - छात्राओं को शासन की मंशानुरूप शिक्षा पूरे मनोयोग से अर्जित करायी जा रही है, और मुख्यातिथ विधायक जी व अतिथियों ने छात्राओं के मध्य आकर शिक्षा की दिशा में प्रोत्साहित किया है। कार्यक्रम के अध्यक्ष अर्जुन सोनी ने कहाकि - माननीय प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' को सुनने तथा उसे आत्मसात करने कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं को अवसर मिला, जो निश्चित ही उपलब्धि पूर्ण है, यह कटकोना में बूथ नंबर 117 में आयोजित है।

उन्होंने कहाकि - केंद्र एवं प्रदेश सरकार शिक्षा के साथ चौमुखी विकास की ओर अग्रसर है और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र जनों को मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सीताराम मिश्रा ने किया। कार्यक्रम अवसर पर - शिक्षक विश्वनाथ त्रिपाठी, सचिव रूपेंद्र कुमार काछी, अशोक शुक्ला, कन्या शिक्षा परिसर की अधीक्षक रीता श्याम, दीपचंद चौरसिया, विनय सोनी, अदिति सिंह, अरुणा सोनी,मोनिका प्रजापति की विशिष्ट उपस्थिति रही।

बुढार मे शीर्षासन करती नेक्सान कार चारों खाने चित्त होकर पलट गई चालक बाल बाल बचे

बुढ़ार।

सोमवार की तड़के एक बड़ा हादसा होते होते रह गया जहां एयरबैग के कारण कार चालक की जान तो बच गई लेकिन नेकसान कार चारों खाने चित्त हो कर पलट गई। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि 29 दिसंबर की सुबह 5 बजे होटल रजवाड़ा होटल के पास एक टाटा नेक्सान कार अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। एयरबैग खुलने से कार चालक की जान बच गई पर क्षतिग्रस्त कार को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि रफ्तार कितनी तेज रहीं होगी। लेकिन आधुनिक सुरक्षा तकनीक के कारण कोई जनहानि नहीं हुई।इस घटनाक्रम की कोई शिकायत थाने में दर्ज नहीं की गई है।

अमरकंटक में ठंड का रिकॉर्ड

सफेद चादर में लिपटे मैदान, अलाव और चाय बने सहारा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक विगत चार दिनों से भीषण ठंड और शीत लहर के आगोश में है। लगातार चल रही ठंडी हवाओं के कारण नगर का तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुँच गया है। ठंड ने अब

अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। नगर के मैदानी क्षेत्रों में घास, फूस, पेड़-पत्तियां, टीन की छतें और तिरपाल पर बर्फ जमने लगी है। सुबह के समय ओस की शबनमी बूंदें घास और पत्तियों पर सफेद रुई की तरह बिछी नजर आती हैं, जिससे पूरा मैदान मानो सफेद चादर ओढ़े हुए दिखाई देता है। विगत 10 दिनों से अमरकंटक में अच्छी-खासी ठंड पड़ रही है, वहीं बीते पांच दिनों से लगातार बर्फ जमने की स्थिति बन रही है। शाम होते ही तापमान तेजी से गिरने लगता है और रात्रिकाल व तड़के पारा लुढ़ककर 0 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच जा रहा है। इस कड़ाके की ठंड के बीच अमरकंटक की शीत लहर मानो नववर्ष के स्वागत के लिए और अधिक तीव्र हो गई है। हालांकि भीषण ठंड के बावजूद पर्यटकों, तीर्थ यात्रियों, दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। नर्मदा उद्गम स्थल, मंदिर परिसर, बाजार क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर लोग अलाव तापते और गरमा-गरम चाय की चुस्कियों के साथ ठंड से राहत पाते नजर आ रहे हैं। बाहर से बिना तैयारी के आए कई पर्यटक स्थानीय दुकानों से स्वेटर, शाल, मफलर, टोपी और अन्य गर्म कपड़ों की खरीदारी करते दिख रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर परिषद अमरकंटक को सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि जरूरतमंदों और यात्रियों को राहत मिल सके। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में ठंड का असर और बढ़ सकता है। ऐसे में अमरकंटक आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आवश्यक सतर्कता बरतने तथा पर्याप्त गर्म कपड़े साथ लाने की सलाह दी जा रही है।

पहली फुहार में ही बह गई 80 लाख की सड़क, जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में

जिला मुख्यालय में हो रही भ्रष्टाचार की मूसलाधार बारिश

साहबों के घर के सामने अंधेरगर्दी, पक्ष-विपक्ष दोनों मौन

दो माह मे ही सड़क पर होने लगी ड्रेसिंग

भ्रष्टाचार की जड़ें किस कदर गहरी हैं, इसका जीवंत प्रमाण सामतपुर तालाब से कलेक्ट्रेट मार्ग की बदहाली है। मई 2025 में 80 लाख की भारी-भरकम लागत से बनी 800 मीटर की यह सडक पहली ही बारिश में बह गई। जेएनआर कंस्ट्रक्शन और पीडब्ल्यूडी की सांठ-गांठ ने सरकारी खजाने को डकारते हुए जनता को उखड़ी सडक और उड़ती धूल सौंप दी है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सरकारी पैसे की बंदरबांट और घटिया निर्माण का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि करोड़ों का दावा करने वाली सडक़ों की उम्र एक मानसून भी नहीं झेल पाई। जिला मुख्यालय के सामतपुर तालाब से कलेक्ट्रेट मार्ग तक बनी लगभग 800 मीटर की सडक़ ने विकास के दावों की कलई खोलकर रख दी है। मात्र 75 से 80 लाख की लागत से बनी यह सडक़ पहली ही बारिश में ताश के पत्तों की तरह ढह गई। जेएनआर कंस्ट्रक्शन और लोक निर्माण विभाग की मिलीभगत का आलम यह है कि सडक़ की धज्जियां उड़ चुकी हैं और जनता धूल फांकने को मजबूर है।

मई में काम पूरा, जुलाई में सत्यानाश!

आश्चर्य की बात है कि जिस सडक़ का निर्माण मई 2025 में ही पूर्ण हुआ था, वह जून-जुलाई की बारिश भी नहीं झेल सकी। सडक़ चौड़ीकरण और डिवाइडर निर्माण के नाम पर सरकारी खजाने को चूना लगाने का खेल सरेआम खेला गया। गुणवत्ता से इस कदर समझौता किया गया कि सडक़ की परत उखड़ गई है और गिट्टियां राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सडक़ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का हाईवे है।

तकनीकी अमला नदारद, ठेकेदार की मनमानी

नियमों की मानें तो किसी भी पक्के निर्माण के दौरान विभाग के उपयंत्री की मौजूदगी अनिवार्य है, लेकिन यहां तो अंधेर नगरी चौपट राजा वाली स्थिति रही। विभाग के जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे और ठेकेदार रमेश राय की कंपनी जेएनआर कंस्ट्रक्शन अपनी मर्जी से स्टीमेट को ताक पर रखकर काम करती रही। निर्माण स्थल पर कहीं भी प्राक्कलन बोर्ड नहीं लगाया गया, ताकि जनता को यह पता ही न चल सके कि कितनी लागत और किस गुणवत्ता का माल इस्तेमाल होना है।

साहबों के घर के सामने अंधेरगर्दी

विडंबना देखिए, इसी सडक़ से जिले के मुखिया, पुलिस अधीक्षक और तमाम आला अधिकारी रोजाना गुजरते हैं। साहबों की गाडिय़ां इसी उखड़ी सडक़ पर हिचकोले खाती हैं, लेकिन फिर भी कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं। कार्यपालन यंत्री ने नोटिस जारी कर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली है, जबकि असलियत में सडक़ पर लीपापोती का खेल दोबारा शुरू हो गया है ताकि ठेकेदार का रुका हुआ भुगतान निकाला जा सके।

विपक्ष की कुंभकर्णी नींद और सत्ता का मौन

इस महा-घोटाले पर न केवल सत्ता पक्ष के स्थानीय विधायक और नेता चुप्पी साधे हुए हैं, बल्कि विपक्षी दल भी गहरी नींद में सोए हुए हैं। वार्ड पार्षदों की मौन साधना भी जनता के गले नहीं उतर रही है। क्या जनप्रतिनिधियों का काम केवल चुनाव के समय वोट मांगना है? क्या जनता के टैक्स के पैसे की इस तरह बर्बादी पर किसी की अंतरात्मा नहीं जागती?

जब इस संबंध मे लोक निर्माण विभाग के प्रभारी अधीक्षण यंत्री प्रभात लोरिया से फोन पर संपर्क किया गया तो लगातार घंटी बजती रही, लेकिन फोन रिसीव नही किया न ही उनके अधीनस्थ कार्यरत सब इंजीनियर लक्ष्मीकांत प्रजापति जिनके जिम्मेदारी मे भ्रष्टाचार की मूसलाधार बारिश हुई, उन्होने भी फोन उठाना मुनासिब नही समझा।

संपूर्ण खदान का आज किसान करेंगे चक्काजाम

रामपुर बटुरा मे एसईसीएल तानाशाही रवैये से क्षुब्ध किसानों का निर्णय

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना में एसईसीएल प्रबंधन के तानाशाही रवैये ने अन्नदाताओं को सड़क पर उतरने को मजबूर कर दिया है। कड़ाके की ठंड में रामपुर बटुरा के किसान टोली बनाकर मोहल्लों में मशाल जला रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा और स्थानीय युवाओं के नेतृत्व में किसानों ने संकल्प लिया है कि 30 दिसंबर को संपूर्ण खदान का चक्काजाम किया जाएगा।

किसानों का आरोप है कि एसईसीएल ने कथित विकास के नाम पर उनकी पुश्तैनी जमीनें अधिग्रहित कर लीं, यहां तक कि बिना नोटिस दिए खेतों से कोयला भी निकाल लिया गया, लेकिन मुआवजे के नाम पर उन्हें फूटी कौड़ी तक नहीं मिली। अयोध्या गुप्ता, मुरली साहू, मुन्नी बाई, सजन बैगा और बाबूलाल साहू जैसे दर्जनों किसान आज भी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। रोजगार, पेड़-पौधों का मुआवजा और उचित पुनर्स्थापन आज भी केवल कागजों तक सीमित है।

ना डरेंगे, ना झुकेंगे...

हैरानी की बात यह है कि जब पीड़ित किसान अपनी आवाज सोशल मीडिया या अखबारों के माध्यम से उठाते हैं, तो खदान के एरिया मैनेजर और उनकी टीम द्वारा उन्हें फोन पर धमकाया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने बताया कि प्रबंधन अब किसानों को डराने की ओछी राजनीति कर रहा है। लेकिन किसानों ने दो टूक कह दिया है, ना डरेंगे, ना झुकेंगे... हम अपना हक मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते। धमकी देने वाले नंबरों को ट्रेस किया जा रहा है और इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से करने की तैयारी है। ग्राम सभा में किसानों ने सामूहिक रूप से प्रस्ताव पारित कर एसईसीएल के मुआवजा लॉलीपॉप को ठुकरा दिया है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि पुनर्स्थापन राशि को 3 से बढ़ाकर 10 लाख किया जाए। डोंगरी टोला के 58 मकानों के अधूरे मुआवजे का बहिष्कार किया जाएगा, भुगतान 100 प्रतिशत एक साथ होना चाहिए। जब तक विस्थापन नहीं होता, तब तक बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी एसईसीएल उठाए साथ में उतरे क्षेत्रीय ट्रैक संगठन के पदाधिकारी गण एवं क्षेत्र के माने जाने हंसते राजकुमार शराबगी की उर्फ राजा भैया रिकी भैया नितिन राणा प्रखर मिश्रा अखिलेश त्रिपाठी इनका कहना है कि हम ग्रामीणों को साथ मिलकर आंदोलन में सहयोग करेंगे एवं हमसे जो भी सहयोग किया अपेक्षा होगी हम पूर्ण सहयोग कर आंदोलन के साथ बैठेंगे और आंदोलन को सफल बनाएंगे मानना है कि कहीं ना कहीं रामपुर में अब शहडोल, बुढार, धनपुरी, अनूपपुर, जैतपुर सहित संपूर्ण गांवों का साथ मिल रहा है क्योंकि यह आंदोलन आप लंबा चलने वाला है।

शराब के नशे ने ली जान, तेज रफ्तार का टूटा कहर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। अमरकंटक नगर में रविवार रात तेज रफ्तार और शराब के नशे ने एक युवक की जान ले ली, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दर्दनाक सड़क हादसा होटल अमरकंटक इन के सामने उस समय हुआ, जब बाइक सवार युवक तेज गति से वाहन चलाते हुए अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में घायल युवकों की पहचान पुष्पेंद्र कुमार धार्वे (18 वर्ष), पिता संतोष कुमार धार्वे एवं दीपू टंडिया, निवासी बराती, अमरकंटक के रूप में हुई है। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय नागरिकों ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक पहुंचाया।

बाइक डिवाइडर से टकराई, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

गंभीर हालत देख जिला अस्पताल रेफर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक डॉ. रानू प्रताप सारीवान ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की हालत गंभीर बताते हुए उन्हें जिला अस्पताल अनूपपुर रेफर कर दिया। चिकित्सक के अनुसार दोनों युवकों के सिर, पैर, कंधे और हाथ सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर व अंदरूनी चोटें आई थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल पुष्पेंद्र कुमार धार्वे को परिजन उपचार के लिए पास के गौरेला ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एंबुलेंस व्यवस्था बनी बड़ी बाधा

घटना के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खुलकर सामने आ गई। घायलों में से एक को विधायक निधि से उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस से जिला अस्पताल अनूपपुर भेज दिया गया, लेकिन दूसरे घायल को रेफर करने में अस्पताल प्रशासन पूरी तरह असहाय नजर आया। अस्पताल की नियमित एंबुलेंस वाहन क्रमांक एमपी 02 एवी 5073 लंबे समय से खराब पड़ी है। चिकित्सकों ने बताया कि उक्त वाहन का पंजीयन भी समाप्त हो चुका है और इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को सूचना दी जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब मध्य प्रदेश सरकार की 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा भी अमरकंटक क्षेत्र में पिछले कई महीनों से बंद पड़ी मिली। 108 नंबर पर संपर्क करने पर यह जवाब मिला कि आसपास की सभी एंबुलेंस व्यस्त हैं। ऐसे हालात में गंभीर रूप से घायल युवक को ढाई घंटे से अधिक समय तक जिला अस्पताल रेफर नहीं किया जा सका, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस की अनुपलब्धता ने प्रशासनिक निष्क्रियता और लापरवाही को उजागर कर दिया है। गंभीर घायल युवक इलाज के अभाव में अस्पताल में तड़पता रहा, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई त्वरित और ठोस पहल नजर नहीं आई। इस संबंध में जब बीएमओ पुष्पराजगढ़ आर. वर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना भी आवश्यक नहीं समझा।

सुविधाविहीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

गौरतलब है कि अमरकंटक जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल पर करोड़ों रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा तो दे दिया गया, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति आज भी बदहाल बनी हुई है। अस्पताल में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और संसाधनों की भारी कमी बताई जा रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। अमरकंटक में हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, वहीं आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोग भी पुष्पराजगढ़ की बजाय अमरकंटक में इलाज के लिए आते हैं। इसके बावजूद यहां की स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है।

प्रसूति सेवाएं भी प्रभावित

स्थानीय लोगों का कहना है कि आपातकालीन व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। प्रसूति महिलाओं को समय पर डिलीवरी की सुविधा तक नहीं मिल पाती, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह पूरा घटनाक्रम एक बार फिर अमरकंटक की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि एंबुलेंस सेवा को शीघ्र शुरू किया जाए, अस्पताल में आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति की जाए तथा बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए, ताकि भविष्य में किसी की जान व्यवस्था की कमी के कारण संकट में न पड़े।

धान उपार्जन केंद्रों में चेकरों को मनमानी की खुली छूट

नहीं थमी अवैध वसूली, किसानों से खुली लूट जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के कोतमा क्षेत्र में धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों का शोषण अब खुली लूट का रूप ले चुका है। किसानों का आरोप है कि धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह एक संगठित वसूली सिस्टम बन गई है, जहां 500 से 1000 रुपये दिए बिना धान पास नहीं किया जाता। पैसा न देने पर धान रिजेक्ट करने, डराने-धमकाने और अपमानित करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कोतमा क्षेत्र के कई धान खरीदी केंद्रों में चेकरों की मनमानी चरम पर है। किसानों का कहना है कि शासन द्वारा पल्लेदारी, सिलाई और परिवहन का भुगतान पहले से तय होने के बावजूद उनसे अवैध रूप से राशि वसूली जा रही है। इस पूरे मामले पर समाचार प्रकाशित होने के बाद भी न तो प्रशासन ने छापेमारी की और न ही दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई की गई।

दुलहरा केंद्र में हालात और भी गंभीर

दुलहरा धान खरीदी केंद्र में स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है। यहां किसानों को स्वयं तौल और सिलाई करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 40 किलो के मानक बोरे के स्थान पर 41 किलो धान लिया जा रहा है, जिससे प्रति बोरा किसानों को सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों का आरोप है कि विरोध करने पर धान रिजेक्ट कर दिया जाता है।

लैम्पस प्रबंधन पर उठे सवाल

पहले प्रकाशित समाचार में जिन स्थानों का उल्लेख किया गया था, उन्हें हटाते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि इस पूरे मामले में लैम्पस प्रबंधक सैयद नफीस (अमलाई) का नाम सामने आ रहा है। किसानों का आरोप है कि प्रबंधन की जानकारी और संरक्षण में ही चेकर्स एवं संबंधित कर्मचारी खुलेआम अवैध वसूली कर रहे हैं

संवाददाता के निरीक्षण में बड़ा खुलासा

संवाददाता के निरीक्षण में सबसे अधिक गड़बड़ी स्व सहायता समूहों द्वारा संचालित खरीदी केंद्रों में देखने को मिली। किसानों का कहना है कि सरकारी समितियों की खरीदी पर तो किसी हद तक शासन का नियंत्रण रहता है, लेकिन स्व सहायता समूहों को किसी प्रकार का डर नहीं है। कथित तौर पर इन समूहों से जुड़े लोग कहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

इन स्व सहायता समूहों पर उठ रहे सवाल

धान खरीदी में गड़बड़ी को लेकर जिन स्व सहायता समूहों के नाम सामने आए हैं, उनमें प्रिया स्व सहायता समूह शिवनी जैतहरी (रजिस्ट्रेशन 59348091), जय मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह शिल्पा (59348092), प्रियंका स्व सहायता समूह आमगांव (59348093), प्रकाश स्व सहायता समूह पकरी टोलादूहर्रा टोला राजेंद्रग्राम (59348094), गायत्री स्व सहायता समूह जर्रा टोला खोडरी (59348095), वैष्णवी स्व सहायता समूह पटना कला (59348096), नर्मदा स्व सहायता समूह वेंकट नगर (59348098), संस्कार स्व सहायता समूह चोरभटी (59348099), दुर्गा समिति समूह बलबरहा जैतहरी (59348100), महिला विकास स्व सहायता समूह वेंकट नगर (59348101) तथा नर्मदा स्व सहायता समूह बहपुर (59348103) शामिल हैं

प्रशासन की चुप्पी से बढ़ा आक्रोश

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही दोषी चेकर्स, प्रबंधकों और स्व सहायता समूहों पर एफआइआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन और चक्का जाम जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे। धान खरीदी में चल रहा यह गड़बड़झाला न केवल किसानों की मेहनत पर डाका है, बल्कि शासन की पारदर्शिता और व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इस संबंध मे जिला आपूर्ति अधिकारी अनीता सोरते से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

अब तक 880992.13 क्विंटल धान की हुई खरीदी

जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने बताया है कि अनूपपुर जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। पंजीकृत किसानों से सामान्य औसत किस्म का धान 2369 रुपए तथा ग्रेड ए का धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। जिले में अब तक 16830 किसानों से 880992.13 क्विंटल धान की खरीदी की गई है।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का किया जा रहा क्रियान्वयन

पशुपालकों को किया जा रहा जागरूक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन में सतत वृद्धि एवं पशुपालकों की आय में सुधार एवं पशुओं में दुग्ध उत्पादन को दुगना करने के उद्देश्य से संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. बी बी चौधरी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न दुग्ध समितियों एवं ग्रामों में पशुपालकों से गृह भेंट कर पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु नस्ल सुधार जैसे महत्वपूर्ण घटकों पर जागरूकता बढ़ाया जा रहा है। जिले को प्राप्त लक्षित ग्राम 539 एवं लक्षित पशुपालक 4608 हैं। अभी तक सर्वे पूर्ण पशुपालक 4569 (99.15 प्रतिशत) हैं।

पशु पोषण के क्षेत्र में कार्य

अभियान के दौरान संतुलित आहार के महत्व पर विशेष बल दिया जा रहा है। पशुपालकों को हरे चारे, सूखे चारे एवं सांद्र आहार के समुचित उपयोग की जानकारी दी जा रही है। साथ ही खनिज मिश्रण एवं नमक के नियमित प्रयोग से दुग्ध उत्पादन एवं पशुओं के स्वास्थ्य में होने वाले लाभों को समझाया जा रहा है। अभियान के तहत कई ग्रामों में हरा चारा उत्पादन, साइलेज निर्माण तथा स्थानीय संसाधनों से पोषण सुधार के उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

पशु स्वास्थ्य सेवाएँ

अभियान के द्वितीय चरण में पशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं का वितरण एवं उपचार सेवाएँ प्रदान की जा रही है। अभियान का उद्देश्य पशुपालकों को पशुपालन की जानकारी प्रदान करना तथा पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु नस्ल सुधार जैसे महत्वपूर्ण घटकों पर जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के तहत पशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं का वितरण एवं उपचार सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। पशुपालकों को संक्रामक रोगों से बचाव, समय पर टीकाकरण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में अवगत कराया जा रहा है। सभी पशुपालकों को चार वीडियो/रील ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य पशुपालकों को वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक जानकारी सरल माध्यम से उपलब्ध कराना है।